



## All India Bar Examination-V [2013]

SR. No.	Subjects	Questions No.	Total No. of Q.	Marks	Weightage (%)
1	Constitution of India	11,19,20,21,23,24,25,35,90,94,97	11	11	11%
2	Indian Penal code, 1860	38,42,44,45,46,47	6	6	6%
3	Civil Procedure Code, 1908	5,6,8,13,14,62,77,79,81,82,83	11	11	11%
4	Criminal Procedure Code, 1973	2,3,16,48,49,50,51,52,89,93	10	10	10%
5	Indian Evidence Act, 1872	1,36,37,39,40,41,91,92	8	8	8%
6	Arbitration & Conciliation Act	61,74	2	2	2%
7	Administration Law	95,96	2	2	2%
8	Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules	75,76,78	3	3	3%
9	Family Law	10,28,29,58,59	5	5	5%
10	Company Law	26,30,32,31,85	5	5	5%
11	Labour & Industrial Law	9,12,18,88,98,100	6	6	6%
12	Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law	34,80,84,86,87	5	5	5%
13	Law of Contract, Specific Relief, Property Laws, Negotiable Instrument Act,	15,17,22,43,53,54,55,56,57,60,63,64,65,66,67,68,69,70,71,72,73	21	21	21%
14	Limitation Act, 1963	4,7	2	2	2%
15	Jurisprudence	27,33,99	3	3	3%
<b>Total</b>			<b>100</b>	<b>100</b>	<b>100%</b>

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (**Only for Paid Users**)

Page-1



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws BLOs

 Linking Laws  
 [Linking Laws Tansukh Sir](https://www.LinkingLaws.com)  
[www.LinkingLaws.com](https://www.LinkingLaws.com)  
 [Get Subscription Now](#)

Linking Laws is a Professional Institute provide  
 AI based Smart Preparation for  
 Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India  
 (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



### Constitution of India

11. Original Jurisdiction of the Supreme Court is dealt under- / सर्वोच्च न्यायालय की मूल अधिकारिता इसके अधीन है"

- (1) Article / अनुच्छेद 226
- (2) Article / अनुच्छेद 130
- (3) Article / अनुच्छेद 131
- (4) Article / अनुच्छेद 124

Ans. [3]

19. It was held by the Supreme Court of India that preamble was not a part of the constitution in the case of ..... and this has been overruled in the case of..... / भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने यह माना गया कि ..... के मामले में प्रस्तावना संविधान का हिस्सा नहीं थी और ..... के मामले में इससे खारिज कर दिया गया है

- (1) In re : Berubari Union; Keshavananda Bharathi vs. State of Kerala / बेरुबारी यूनियन: केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य
- (2) A. K. Gopalan vs. State of Madras; Maneka Gandhi vs. Union of India / ए.के. गोपालन बनाम मद्रास राज्य मेनका गांधी बनाम भारत सरकार
- (3) Ajay Hasia vs. Khalid Mujib; Som Prakash vs. Union of India / अजय हसिया बनाम खालिद मुजीब: सोमप्रकाश बनाम भारत सरकार
- (4) I.C. Golaknath vs. State of Punjab; Shankar Prasad vs. Union of India / आई.सी. गोलकनाथ बनाम पंजाब राज्य शंकर प्रसाद बनाम भारत संघ

Ans. [1]

20. The Supreme Court in Selvi & Ors. vs. State of Karnataka held that compulsory brain-mapping and polygraph tests and NARCO analysis were in violation of the following Articles of the Constitution. / सर्वोच्च न्यायालय ने सेल्वी एवं अन्य बनाम कर्नाटक राज्य में अभिधारित किया कि अनिवार्य ब्रेन मैपिंग तथा पॉलीग्राफ टेस्ट्स और नारको विश्लेषण संविधान के निम्न अनुच्छेद का उल्लंघन किया था।

- (1) Articles 23 and 24 / अनुच्छेद 23 एवं 24
- (2) Articles 15 and 16 / अनुच्छेद 15 एवं 16
- (3) Articles 29 and 30 / अनुच्छेद 29 एवं 30
- (4) Articles 20 and 21 / अनुच्छेद 20 एवं 21

Ans. [4]

21. Laws declared by the Supreme Court shall be binding on all Courts - mentioned under / सर्वोच्च न्यायालय की ओर से घोषित कानून सभी न्यायालयों पर आबद्धकर है यह इसके अधीन उल्लिखित है-

- (1) Article 142 / अनुच्छेद 142
- (2) Article 143 / अनुच्छेद 143
- (3) Article 136 / अनुच्छेद 136
- (4) Article 141 / अनुच्छेद 141

Ans. [4]

23. Justice Ramanandan Committee relates to- / न्यायाधीश रामानंदन समिति का संबंध है -

- (1) Union State relations / संघ राज्य संबंध
- (2) Creamy layer / नवोन्नत वर्ग
- (3) Finance Commission / वित्त आयोग
- (4) Elections / चुनाव

Ans. [2]

24. Equal pay for Equal work - can be enforced through / समान कार्य के लिए समान भुगतान के माध्यम से लागू किया जा सकता है

- (1) Article 39 / अनुच्छेद 39
- (2) Articles 14 and 16 / अनुच्छेद 14 एवं 16
- (3) Article 311 / अनुच्छेद 311
- (4) Article 309 / अनुच्छेद 309

Ans. [2]

25. The executive power of every State shall be so exercised as to ensure compliance with the laws made by Parliament and any existing laws mentioned under / प्रत्येक राज्य की कार्यकारी शक्ति ऐसे उपयोग की होगी जैसे कि संसद की ओर से बनाए गए कानून तथा किसी विद्यमान कानून की पालना सुनिश्चित हो - इसके अधीन उल्लिखित " -

- (1) Article / अनुच्छेद 352
- (2) Article / अनुच्छेद 256
- (3) Article / अनुच्छेद 254
- (4) Article / अनुच्छेद 301

Ans. [2]

35. A seven-member bench of the Supreme Court unanimously struck down Clause 2(d) of Article 323-A and Clause 3 (d) of Article 323-B of the Constitution relating to tribunals which excluded the jurisdiction of High Court and Supreme Court. The court held that power of judicial review over legislative action is vested in the High Court under Article 226 and in the Supreme Court under Article 32. This is an integral part of the basic structure of the Constitution. Name the case / सुप्रीम कोर्ट की सात सदस्यीय पीठ ने सर्वसम्मति से न्यायाधिकरणों से संविधान के अनुच्छेद 323- ए के खंड 2(डी) और अनुच्छेद 323-बी के खंड 39(डी) को रद्द कर दिया, जिसमें उच्च न्यायालय के क्षेत्राधिकार को बाहर रखा गया था। न्यायालय ने माना कि विधायी कारवाई पर न्यायिक समीक्षा की शक्ति अनुच्छेद 32 के तहत उच्चतम न्यायालय में निहित है यह संविधान की मूल संरचना का एक अभिन्न अंग है मामले का नाम बताएं -

- (1) L. Chandra Kumar vs. Union of India / एल. चंद्र कुमार बनाम भारत संघ
- (2) Kihota Hollohon vs. Zachilhu / किहोता होलोहोन बनाम जसिलहू

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-2

Linking Laws is a Professional Institute provide

AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



- (3) Nagaraj vs. State of A. P. / नागराज बनाम आंध्रप्रदेश राज्य  
(4) Rajendra Singh Rana vs. Swami Prasad Maurya / राजेन्द्र सिंह राणा का बनाम स्वामी प्रसाद मौर्य

Ans. [1]

90. If a Quasi-judicial authority violates the principles of natural justice, the appropriate writ would be / यदि अर्द्ध न्यायिक प्राधिकारी नेचुरल न्याय के सिद्धांतों का उल्लंघन करता है, समुचित रिट होगी

- (1) Mandamus / परमादेश  
(2) Habeas Corpus / बंदी प्रत्यक्षीकरण  
(3) Quo warranto / अधिकार-पृच्छा  
(4) Certiorari / उत्प्रेषण

Ans. [4]

94. By the Constitution (97<sup>th</sup> Amendment) Act, 2011 the following word has been, inserted under Article 19(1)(c) / संविधान (97वां के संशोधन) अधिनियम, 2011 माध्यम से अनुच्छेद 19 (1) (ग) में निम्नलिखित शब्द अंतर्विष्ट किया गया

- (1) Democratic Societies / लोकतांत्रिक समितियां  
(2) Registered Societies / पंजीकृत समितियां  
(3) Co-operative Societies. / सहकारी समितियां  
(4) Co-operative Management / सहकारी प्रबंधन

Ans. [3]

97. "Passive Euthanasia is permitted in certain cases-" held in / 'इच्छा मृत्यु किस मामले में अनुज्ञेय किया है' -

- (1) Aruna Ramachandran Shanbaug vs Union of India / अरुणा रामचन्द्रन शान बाग बनाम भारत संघ  
(2) Gian Kaur vs State of Punjab / ज्ञान कौर बनाम पंजाब राज्य  
(3) P. Rathinam vs Union of India / पी. रतिनम बनाम भारत संघ  
(4) State of Maharashtra vs. Chandraben / महाराष्ट्र राज्य बनाम चन्द्रा बेन

Ans. [1]

### Indian Penal code, 1860

38. The gist of this offence is meeting of minds / इस अपराध का तात्पर्य पूर्व मस्तिष्क मिलन है।

- (1) Section / धारा 120 - A  
(2) Section / धारा 133  
(3) Section / धारा 221  
(4) Section / धारा 340

Ans. [1]

42. Promoting enmity between different groups on grounds of religion, race, place of birth, residence, language, etc. and doing acts prejudicial to maintenance of harmony is an offence under

which provision of Indian Penal Code / धर्म, नस्ल, जन्म स्थल, निवास, भाषा आदि के आधार पर अलग-अलग समूहों के बीच दुश्मनी को बढ़ावा देना और समरसता को बनाए रखने के प्रति पूर्वाग्रह पूर्वक कृत्य करना भारतीय दंड संहिता के किस प्रावधान के अधीन अपराध है?

- (1) Section / धारा 120-A  
(2) Section / धारा 120-B  
(3) Section / धारा 153 - A  
(4) Section / धारा 226

Ans. [1]

44. A obtains property from Z by saying "Your child is in the hands of my gang and will be put to death unless you send us Rs. 10,000/-. This offence is - / क ने य से संपत्ति यह कहते हुए हासिल की 'तुम्हारा बच्चा मेरे गिरोह के हाथों में है जिसे मार दिया जाएगा यदि तुमने रुपए 10,000/- नहीं भेजे। यह अपराध है"

- (1) Robbery / लूट  
(2) Extortion / उददापन  
(3) Dacoity / डकैती  
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

45. A places men with firearms at the outlets of a building and tells B that they will fire at B if B attempts to leave the building. What is the offence committed by A as against B. / क ने इमारत के निर्गम मार्ग पर आग्नेयाशस्त्रों से आदमियों को लाकर ख से कहा कि यदि ख ने इमारत छोड़ने की कोशिश की तो वे ख को गोली मार देंगे। ख के खिलाफ क की ओर से कौन सा अपराध कारित है?

- (1) Wrongful restraint / सदोष अवरोध  
(2) Wrongful confinement / सदोष परिरोध  
(3) Refusal to leave the place / जगह छोड़ने से मना करना  
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

46. Adulteration of food or drink intended for sale is punishable under / बिक्री के इरादे से खाद्य या पेय में मिलावट करना इसके अधीन दंडनीय है 46

- (1) Section 227 / धारा 227  
(2) Section 272 / धारा 272  
(3) Section 277 / धारा 277  
(4) Section 273 / धारा 273

Ans. [2]

47. Voluntarily causing grievous hurt to deter public servant from his duty is / लोक सेवक को उसके कार्य से रोकने के लिए इच्छा से घोर उपहति पहुंचाना है"

- (1) Cognizable & non-bailable offence / संज्ञेय और गैर जमानती अपराध  
(2) Non cognizable & bailable offence / अंसज्ञेय और जमानती अपराध

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-3

Linking Laws is a Professional Institute provide

AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



- (3) Cognizable and bailable offence / संज्ञेय और जमानती अपराध  
(4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [1]

**Civil Procedure Code, 1908**

5. The provision under CPC that relates to suit by indigent persons- / सिविल प्रक्रिया संहिता के अधीन जो प्रावधान निर्धन व्यक्तियों की ओर से किए वाद से संबंधित है-

- (1) Order / आदेश 32  
(3) Order / आदेश 35  
(2) Order / आदेश 34  
(4) Order / आदेश 33

Ans. [4]

6. Where a party to a suit requires information as to facts from the opposite party, he may administer to his adversary a series of questions. It is called as- / जहां वाद के पक्षकार से विपक्षी पक्षकार से तथ्यों के संबंध में जानकारी अपेक्षित है, वह प्रतिपक्षी प्रश्नावली दे सकेगा, जिसे कहा जाता-

- (1) Question Petition / प्रश्न याचिका  
(2) Question pamphlet / प्रश्न पुस्तिका  
(3) Interrogatories / प्रश्नावली  
(4) Discovery / प्रकटीकरण

Ans. [3]

8. Who decides as to which of the several modes he/she will execute the decree / अनेक विधियों के बारे में कौन निश्चित करता है कि वह डिक्री का निष्पादन करेगा / करेगी।

- (1) Plaintiff / वादी  
(2) Court / न्यायालय  
(3) Judgement debtor / निर्णय देनदार  
(4) Decree holder / डिक्री धारक

Ans. [4]

13. A person appointed by the Court to protect, preserve and manage the property during the pendency of the litigation / न्यायालय की ओर से मुकदमे के लंबित रहने के दौरान संपत्ति के संरक्षण, अनुरक्षण और प्रबंध के लिए नियुक्त व्यक्ति है।

- (1) Amicus curiae / न्याय मित्र  
(3) Protector / परिरक्षक  
(2) Preserver / रक्षक  
(4) Receiver / प्राप्तिकर्ता

Ans. [4]

14. .... is a suit filed by or against one or more persons on behalf of themselves and others having the same interest in the suit. / ..... वाद है जिसे एक या अधिक लोगों की ओर से या उनके विरुद्ध उनके स्वयं की तरफ से दाखिल किया गया है और अन्यो के वही हित वाद में होते हैं।

- (1) Joint suit / संयुक्त वाद  
(2) Representative suit / प्रतिनिधित्व वाद  
(3) Collusive suit / संधिकारी वाद  
(4) Collective suit. / सामूहिक वाद

Ans. [2]

62. Which section under the Civil Procedure Code, 1908 deals with the settlement of disputes outside the Court ? / सिविल प्रक्रिया संहिता, 1908 के अधीन कौनसी धारा विवाद का निपटारा न्यायालय से बाहर किए जाने से संबंधित है?

- (1) Section / धारा 98  
(3) Section / धारा 89  
(2) Section / धारा 99  
(4) Section / धारा 88

Ans. [3]

77. Where there are mutual debts between the plaintiff and the defendant, one debt may be settled against another. This can be a statutory defence to a plaintiff's action and it is called as / वादी और प्रतिवादी के बीच जहां आपसी कर्ज है, एक का कर्ज दूसरे के विरुद्ध निपटाया जा सकेगा। यह वादी की कार्यवाई का वैधानिक बचाव हो सकता है। यह इस तरह कहलाता

- (1) Cross-claim / प्रति-दावा  
(2) Set-off / सेट ऑफ  
(3) Cross-demand / प्रति मांग  
(4) Cross-decrees / प्रति डिक्री

Ans. [2]

79. Existence of two suits, by parties litigating under same title, one previously instituted which is pending at present and the other filed later, wherein a matter in issue in the subsequently filed suit is directly and substantially in issue in the other and the relief claimed in the subsequent suit can effectively be passed by the court of previous instance. Which section of CPC decides the fate of the subsequently filed suit and its proceeding? / एक ही स्वत्व के अधीन मुकदमा करने वाले दो पक्षों की ओर से दो वादों की विद्यमानता, एक जो पिछली बार दाखिल वह वर्तमान में भी लंबित और दूसरा बाद में दाखिल किया गया, जिसमें मुद्दागत मामला पश्चात्कर्ती दाखिल वाद में से सीधे ही और दूसरे में मुद्दागत सारतः, पश्चात्कर्ती वाद में दावे की राहत को पिछले दृष्टांत के न्यायालय की ओर से प्रभावपूर्ण पारित किया जा सकता है। सिविल प्रक्रिया संहिता की कौन सी धारा पश्चात्कर्ती दाखिल वाद तथा उसकी कार्यवाही के भाग्य को निश्चित करती है ?

- (1) Section / धारा 11  
(2) Section / धारा 9  
(3) Section / धारा 10  
(4) Section / धारा 12

Ans. [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-4

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this QR Code to Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



81. An attachment before judgement order takes away. / निर्णय पूर्व कुर्की का आदेश दिया जा सकता है

- (1) Right to ownership / स्वामित्व का अधिकार
- (2) Right to file suit / वाद दाखिल करने का अधिकार
- (3) Power to alienate the property / संपत्ति हस्तांतरण की शक्ति
- (4) Capacity of execution of a decree. / डिक्री निष्पादन की क्षमता

Ans. [3]

82. The three pillars on which foundation of every order of injunction rests / तीन स्तंभ जिसकी बुनियाद पर निषेधाज्ञा का प्रत्येक आदेश टिका होता है।

- (1) Prima facie case, injury with damage and balance of inconvenience / प्रथम दृष्टया मामला, क्षति सहित चोट और असुविधा का संतुलन
- (2) Prima facie case, reparable injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, पूरणीय क्षति और सुविधा का संतुलन
- (3) Prima facie case, irreparable injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, अपूरणीय क्षति और सुविधा का संतुलन
- (4) Prima facie case, damage without injury and balance of convenience / प्रथम दृष्टया मामला, अपूर्णिया क्षति और सुविधा का संतुलन

Ans. [3]

83. .... is to enable subordinate Courts to obtain in non-appealable cases the opinion of the High Court in the absence of a question of law and thereby avoid the commission of an error which could not be remedied later on. / अधीनस्थ न्यायालयों को गैर-अपीलीय मामलों में उच्च न्यायालय की राय विधि के प्रश्न के अभाव में उपार्जित करने और उसके जरिए कृत त्रुटि को टालने में समर्थ होता है जिसका निदान बाद में नहीं हो सकता था।

- (1) Review / समीक्षा
- (3) Appeal / अपील
- (2) Reference / सन्दर्भ
- (4) Revision / पुनरीक्षण

Ans. [2]

### Criminal Procedure Code, 1973

2. What persons may be charged jointly and tried together under Section 223 of CrPC. / दांडिक प्रक्रिया संहिता की धारा 223 के अधीन कौन से व्यक्ति संयुक्त से आरोपित तथा साथ में विचारित हो सकते हैं।

- (1) persons accused of the same offence committed in the course of the same transaction / एक ही संव्यवहार के अनुक्रम में कारित एक ही अपराध के अभियुक्त व्यक्ति
- (2) persons accused of an offence and persons accused of abetment of or attempt to commit

such offence / अपराध के अभियुक्त व्यक्ति तथा उस अपराध को करने को उकसाने या प्रयास करने वाले अभियुक्त व्यक्ति

- (3) persons accused of different offences committed in the course of the same transaction / विभिन्न अपराधों के अभियुक्त व्यक्ति जो एक ही संव्यवहार में कारित हुए।
- (4) all the above / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

3. Compensation to Victims of Crime under Criminal Law relates to / दांडिक कानून के अधीन पीड़ित को मुआवजा संबंधित है -

- (1) Section 336 / धारा 336
- (2) Section 331 / धारा 331
- (3) Section 335 / धारा 335
- (4) Section 357 / धारा 357

Ans. [4]

16. Obstructing Public Servant in discharge of his public functions is a / लोक सेवक को उसके लोक कार्य के निर्वह में बाधा डालना है।

- (1) non-bailable offence / गैर जमानती अपराध
- (2) bailable offence / जमानती अपराध
- (3) civil wrong / सिविल गलत
- (4) none of the above / इनमें से कोई नहीं

Ans. [2]

48. Which provision under the Code provides the indication as to the rule against double jeopardy? / संहिता के अधीन कौन सा प्रावधान दोहरे जोखिम के विरुद्ध संकेत को नियम की तरह प्रदान करता है।

- (1) Section 300 / धारा 300
- (3) Section 309 / धारा 309
- (2) Section 305 / धारा 305
- (4) Section 311 / धारा 311

Ans. [1]

49. Which provision under Criminal Procedure Code, 1973 deals with the procedure to be adopted by the Magistrate, to record confessions and statements? / दांडिक प्रक्रिया संहिता के अधीन कौन सा प्रावधान कबूलियत तथा कथन दर्ज करने को मजिस्ट्रेट की ओर से अपनाई जाने वाली प्रक्रिया से संबंधित है?

- (1) Section / धारा 164
- (2) Section / धारा 162
- (3) Section / धारा 163
- (4) Section / धारा 164-A

Ans. [1]

50. Any police officer may without an order from a Magistrate and without a warrant, arrest any person who obstructs a police officer while in the

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)





execution of his duty, or who has escaped, or attempts to escape, from lawful custody under which section / कोई पुलिस अधिकारी मजिस्ट्रेट से आदेश के बिना और वारंट के बिना उस किसी व्यक्ति को गिरफ्तार कर सकेगा जो पुलिस अधिकारी के उसके कर्तव्य निर्वह में बाधा डालता है या जो भाग गया है, या भागने की कोशिश विधि सम्मत हिरासत से की है, किस धारा के अधीन -

- (1) Section / धारा 41(a)
- (2) Section / धारा 41(c)
- (3) Section / धारा 41 (e)
- (4) Section / धारा 41(d)

Ans. [3]

51. The Plea Bargaining is applicable only in respect of those offences for which punishment of imprisonment is up to a period of / सौदा अभिवाक् करना केवल उन अपराधों के संबंध में प्रयुक्तनीय है जिनके लिए सजा के रूप में कारावास इतने तक का है-

- (1) 7 years / वर्ष
- (3) 10 years / वर्ष
- (2) 2 years / वर्ष
- (4) 5 years / वर्ष

Ans. [1]

52. "If an accused is charged of a major offence but is not found guilty thereunder, he can be convicted of minor offence, if the facts established indicate that such minor offence has been committed." It was so upheld in which case / यदि अभियुक्त पर बड़े अपराध का आरोप है मगर वह उसके अंतर्गत दोषी नहीं पाया जाता है, उसे गौण अपराध का दोष सिद्ध किया जा सकता है. यदि स्थापित तथ्य संकेत उस गौण अपराध कारित का करते हैं। इसकी अभिपुष्टि इस मामले में की गई -

- (1) Sangarabonia Sreen vs. State of Andhra Pradesh / संगरा बोनिया श्रीनु बनाम आंध्रप्रदेश राज्य
- (2) State of Himachal Pradesh vs. Tara Dutta / हिमाचल प्रदेश राज्य बनाम तारा दत्त
- (3) Shamsheer Singh vs. State of Punjab / शमशेरसिंह बनाम पंजाब राज्य
- (4) Nalini vs. State of Tamilnadu. / नलिनी बनाम तमिलनाडु राज्य

Ans. [2]

89. Order granting anticipatory bail becomes operative / अग्रिम जमानत मंजूरी का आदेश सक्रिय होता है

- (1) on arrest / गिरफ्तारी पर
- (2) prior to arrest / गिरफ्तारी से पूर्व
- (3) on passing of the order by the Court / न्यायालय की ओर से आदेश को पारित करने पर
- (4) none of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

93. "Provisions of Section 195 of the Code are mandatory and non. compliance of it would initiate the prosecution and all other consequential orders." In which case the Court upheld so / " संहिता की धारा 195 के प्रावधान अनिवार्य है और उनकी गैर- अनुपालना से अभियोजन तथा सभी अन्य परिणामी आदेश निष्प्रभावी होंगे।" किस मामले में न्यायालय ने ऐसा अभिपुष्ट किया -

- (1) C. Muniappan vs. State of Tamilnadu / सी. मुनियप्पन बनाम तमिलनाडू राज्य
- (2) Kishun Singh vs. State of Bihar / किशुन सिंह बनाम बिहार राज्य
- (3) State of Karnataka vs. Pastor P. Raju. / कर्नाटक राज्य बनाम पेस्टर पी. राजू
- (4) None of the above. / उपरोक्त में से कोई नहीं।

Ans. [1]

### Indian Evidence Act, 1872

1. Which are the provisions under Indian Evidence Act, 1872 that deals with relevancy of opinion of experts? / विशेषज्ञों की राय की प्रासंगिकता से सम्बंधित कौन से प्रावधान भारतीय साक्ष्य अधिनियम, 1872 के तहत है?

- (1) Secs. 49 & 50 / धाराएं 49 और 50
- (2) Secs. 23 & 24 / धाराएं 23 और 24
- (3) Secs. 45 & 46 / धाराएं 45 और 46
- (4) Secs. 81 & 82 / धाराएं 81 और 82

Ans. [3]

36. The contents of documents may be proved either by / दस्तावेजों की विषय वस्तु को प्रमाणित किया जा सकेगा या तो "-

- (1) Primary evidence or by secondary evidence / प्राथमिक साक्ष्य या माध्यमिक साक्ष्य के जरिए
- (2) Direct evidence or circumstantial evidence / प्रत्यक्ष साक्ष्य या परिस्थिति जन्य साक्ष्य के जरिए
- (3) Primary evidence or documentary evidence / प्राथमिक साक्ष्य या दस्तावेजी साक्ष्य के जरिए
- (4) Primary evidence or direct evidence/ प्राथमिक साक्ष्य या प्रत्यक्ष साक्ष्य के जरिए

Ans. [1]

37. Oral accounts of the contents of a document given by some person who has himself if seen it is / दस्तावेज की विषय वस्तु का मौखिक वर्णन किसी व्यक्ति की ओर से दिया गया जैसा कि खुद उसने देखा, वह है

- (1) Direct evidence / प्रत्यक्ष साक्ष्य
- (2) Best evidence / अच्छा साक्ष्य
- (3) Circumstantial evidence / परिस्थिति जन्य साक्ष्य
- (4) Secondary evidence / माध्यमिक साक्ष्य

Ans. [4]

39. "The DNA test cannot rebut the conclusive presumption envisaged under Section. 112 of the

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)





**Indian Evidence Act. The parties can avoid the rigor rigor of such conclusive presumption only by proving non- access which is a negative proof." It was so held in which case / "भारतीय साक्ष्य अधिनियम की धारा 112 के अधीन विचारित निष्कर्ष उपधारणा का डी.एन.ए. परीक्षण विखंडन नहीं कर सकता। पक्षकार उस निष्कर्षात्मक उपधारणा की कठोरता को टाल सकते हैं केवल अ-पहुंच को प्रमाणित करके, जो नकारात्मक प्रमाण है।" यह इस प्रकरण में अभिधारित किया गया"-**

- (1) Shaik Fakruddin vs. Shaik Mohammed Hasan, AIR 2006 AP 48 / शेख फकरुद्दीन बनाम शेख मोहम्मद हसन, ए.आई. आर. 2006 आंध्रप्रदेश 48
- (2) Siddaramesh vs. State of Karnataka (2010) 3 SCC 152 / सिद्ध रमेश बनाम कर्नाटक राज्य, (2010) 3. एस. सी. सी. 152
- (3) Kailash vs. State of Madhya Pradesh AIR 2007 SC 107 / कैलाश बनाम मध्यप्रदेश राज्य, ए.आई.आर. 2007 एस.सी. 107
- (4) Somwanti vs. State of Punjab. AIR 1963 SC 151 / सोमवंती बनाम पंजाब राज्य, ए.आई.आर. 1963 एस.सी. 151

**Ans. [1]**

**40. The statements of dead persons are relevant under which provision / मृत व्यक्तियों के कथन इस प्रावधान के अंतर्गत सुसंगत हैं-**

- (1) Section / धारा 48
- (2) Section / धारा 49
- (3) Section / धारा 32(4)
- (4) Section / धारा 13 (3)

**Ans. [3]**

**41. "Witnesses are the eyes and ears of Justice." Whose statement is this / साक्षी न्याय की आंखें एवं कान हैं। यह कथन किसका है?**

- (1) Lord Atkin / लॉर्ड अटकिन
- (2) Bentham / बेंथम
- (3) Lord Denning / लॉर्ड डेनिंग
- (4) Phipson / फिप्सन

**Ans. [2]**

**91. An accomplice is unworthy of credit unless he is corroborated in material particulars is a / एक सह साथी श्रेय के योग्य नहीं है जब तक कि वह 'तात्विक' विशेष से संपुष्ट नहीं है, यह है"-**

- (1) presumption of fact / तथ्य की उपधारणा
- (2) presumption of law / विधि की उपधारणा
- (3) conclusive of proof / प्रमाण का निश्चयात्मकता
- (4) none of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

**Ans. [2]**

**92. Patent ambiguity in interpreting documents renders it. / व्याख्याकरण दस्तावेजों में पेटेंट अस्पष्टता उसे बनाती है -**

- (1) Curable / आरोग्य साध्य
- (2) In-curable / आरोग्य असाध्य
- (3) Curable and incurable / आरोग्य साध्य एवं आरोग्य असाध्य
- (4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

**Ans. [2]**

### Arbitration & Conciliation Act

**61. The commencement of arbitral proceedings is not dependant on interim relief being allowed or denied under Section 9 of the Arbitration and Conciliation Act, 1996. Supreme Court in which case held so / मध्यस्थता कार्यवाही का प्रारंभ होना माध्यस्थता एवं समझौता अधिनियम, 1996 की धारा 9 के अधीन अनुज्ञा या मनाही के रूप में अंतरिम राहत पर निर्भर नहीं। किस प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय ने यह अभिधारित किया।"**

- (1) Firm Ashok Traders & another vs. Gurumukh Das Saluja & others / फर्म अशोक ट्रेडर्स एवं अन्य बनाम गुरुमुख दास सलूजा एवं अन्य
- (2) M.M.T.C Ltd vs. Sterile Industries (India) Ltd. / एम.एम.टी.सी. लिमिटेड बनाम स्टेरिल इंडस्ट्रीज (भारत) लिमिटेड
- (3) National Thermal Power Corporation. vs. Flowmore (P.) Ltd. / नेशनल थर्मल पावर कारपोरेशन बनाम फ्लोमोर (प्राइवेट) लिमिटेड
- (4) Magma Leasing Ltd. vs. NEPC Micon Ltd. / मैग्मा लीजिंग लि. बनाम एम ई पी सी माइक्रोन लि.

**Ans. [1]**

**74. .... is the process whereby interested parties resolve disputes, agree upon courses of action, bargain for individual or collective advantage, and/or attempt to craft outcomes which serve their mutual interests. / ..... प्रक्रिया है जिसके जरिए इच्छुक पक्ष विवाद का निपटारा करते हैं, कार्रवाई के अनुक्रम पर सहमत होते हैं, वैयक्तिक या सामूहिक फायदों की सौदेबाजी करते हैं, तथा / अन्यथा उन नतीजों का कर्म करते हैं जिससे उनके आपसी हित थे।**

- (1) Expert determination / विशेषज्ञ निर्धारण
- (2) Arbitration/ माध्यस्थता
- (3) Conciliation/ समाधान
- (4) Negotiation / समझौता

**Ans. [4]/**

### Administration Law

**95. Doctrine of Legitimate Expectation was discussed in the following case / वैध अपेक्षा का सिद्धांत का विचार-विमर्श निम्न प्रकरण में किया गया था -**

- (1) Ramkrishna Tendolkar VS. Justice Dalmia/ रामकृष्ण डालमिया बनाम न्यायविद तेंदोलकर

**Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)**

**Page-7**

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this QR Code to Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



- (2) M. C. Mehta vs. Union of India / एम.सी. मेहता बनाम भारत संघ
- (3) State of U.P. vs. Deoman / उत्तर प्रदेश राज्य बनाम दीमन
- (4) Food Corporation of India vs. M/s. Kamdhenu Cattle Feed Industries / भारतीय खाद्य निगम बनाम मैसर्स कामधेनु केटल फीड इन्डस्ट्रीज

Ans. [4]

बार काउंसिल के किन नियमों में अपने मुवक्किल के प्रति अधिवक्ता के कर्तव्य का विस्तृत उल्लेख है।

- (1) 33 to 38
- (2) 11 to 33
- (3) 23 to 27
- (4) 33 to 36

Ans. [2]

96. Natural law is the idea that / प्राकृतिक कानून का प्रत्यय है कि -

- (1) there are rational objective limits to the power of legislative rulers. / विधायी शासक की शक्ति की युक्ति संगत यथार्थ सीमा है
- (2) there are no limits to the power of legislative rulers. / विधायी शासक की शक्ति की कोई सीमा नहीं है
- (3) there are limits to the power of the executive laid by the legislature / विधान की ओर से रित अधिशाषी की शक्ति की सीमा है
- (4) Law is the command of the sovereign / कानून संप्रभु का समादेश है।

Ans. [1]

#### Professional Ethics & Cases of Professional Misconduct Under Bar Council of India Rules

75. "The fundamental aim of Legal Ethics is to maintain the honour and dignity of the Law Profession, to secure a spirit of friendly cooperation between the Bench and the Bar in the promotion of highest standards of justice, to establish honourable and fair dealings of the counsel with his client opponent and witnesses; to establish a spirit of brotherhood in the Bar itself; and to secure that lawyers discharge their responsibilities to the community generally." Whose statement is this? / 'विधिक नीति परक का बुनियादी ध्येय विधि वृत्ति के मान और मर्यादा को बनाए रखना और न्यायपीठ तथा विधिज्ञ वर्ग के मध्य मैत्रीपूर्ण सहयोग की भावना सुनिश्चित करना न्याय के उच्चतम मानकों के प्रोत्साहन में माननीय तथा निष्पक्ष व्यवहार अधिवक्ता के अपने मुवक्किल प्रतिपक्षी और गवाहों के साथ स्थापित करना; विधिज्ञ वर्ग स्वयं में मातृत्व की भावना कायम करना, और विधिवेताओं सामान्यतया समुदाय के प्रति अपने उत्तरदायित्वों के निर्वाह को सुनिश्चित करना है।' यह कथन किसका है?

- (1) Chief Justice Marshall / मुख्य न्यायाधीश मार्शल
- (2) Chief Justice Coke / मुख्य न्यायाधीश कोक
- (3) Chief Justice Halsbury / मुख्य न्यायाधीश हाल्सबरी
- (4) Chief Justice Bacon / मुख्य न्यायाधीश बेकोन

Ans. [1]

76. Duty of on advocate towards his client is detailed out in which rules of Bar Council of India / भारत के

78. Which Section under the Advocates Act, 1961 deals with disqualification as to enrolment? / अधिवक्ता अधिनियम, 1961 की किस धारा के अधीन नामांकन से अयोग्यता से संबंधित है?

- (1) Section / धारा 25-A
- (2) Section / धारा 26-A
- (3) Section / धारा 27-A
- (4) Section / धारा 24-A

Ans. [4]

#### Family Law

10. Section 9 of the Hindu Marriage Act, 1955 deals with / धारा 9 हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 से सम्बंधित है

- (1) Restitution of Conjugal Rights / दंपत्य अधिकारों की पुनर्निर्माण
- (2) Void Marriages / शून्य विवाह
- (3) Judicial Separation / न्यायिक पृथकीकरण
- (4) Grounds of Divorce / तलाक के आधार

Ans. [1]

28. Mubara'at under Muslim law refers to / मुस्लिम कानून के अधीन मुबारत संदर्भ करता है

- (1) Divorce at the instance of Wife / वर्तमान पत्नी को तलाक का
- (2) Cruelty / क्रूरता
- (3) Ila / इला
- (4) Dissolution of marriage with mutual consent / आपसी सहमति से विवाह विच्छेद

Ans. [4]

29. The discriminatory aspects of Section 10 of Indian Divorce Act (now Divorce Act) was removed by substituting new section by the / भारतीय तलाक अधिनियम (अब तलाक अधिनियम) की धारा 10 के विभेदकारी पहलुओं को नई धारा की प्रतिस्थापना से हटाया गया था।

- (1) Indian Divorce (Amendment) Act, 2001 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2001
- (2) Indian Divorce (Amendment) Act, 2002 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2002
- (3) Indian Divorce (Amendment) Act, 2006 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2006
- (4) Indian Divorce (Amendment) Act, 2012 / भारतीय तलाक (संशोधन) अधिनियम, 2012

Ans. [1]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-8

Linking Laws is a Professional Institute provide

AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s

📱 Linking Laws  
📞 Linking Laws Tansukh Sir  
🌐 www.LinkingLaws.com  
📄 Get Subscription Now



58. Which provision of Hindu Marriage Act, 1955 deals with conciliation / हिन्दू विवाह अधिनियम, 1955 का कौन सा प्रावधान मेल मिलाप से संबंधित है।

- (1) Section / धारा 23
- (2) Section / धारा 23 (2)
- (3) Section / धारा 23(3)
- (4) Section / धारा 22

Ans. [2]

59. Daughter is equated with the son references to joint family with property under / संयुक्त पारिवारिक संपत्ति के अंतर्गत संदर्भ के साथ पुत्री पुत्र के समान है।

- (1) Hindu Succession (Amendment) Act 2002 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2002
- (2) Hindu Succession (Amendment) Act 1976 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 1976
- (3) Hindu Succession (Amendment) Act 1978 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 1998
- (4) Hindu Succession (Amendment) Act 2005 / हिन्दू उत्तराधिकार (संशोधन) अधिनियम 2005

Ans. [4]

#### Company Law

26. Under Section 171 of the Companies Act, a general meeting of a company may be called by giving a notice in writing for not less than / कंपनी अधिनियम की धारा 171 के अधीन कम से कम इस दिवस की लिखित सूचना देते हुए कंपनी की साधारण सभा बुलाई जा सकेगी"

- (1) 21 days / दिन
- (3) 40 days / दिन
- (2) 30 days / दिन
- (4) 14 days / दिन

Ans. [1]

30. Amalgamation of Companies in National Interest is dealt under / राष्ट्रीय हित में कंपनियों के समामेलन के बारे में बताया गया है -

- (1) Section 388 of the Companies Act / कंपनी अधिनियम की धारा 388
- (2) Section 378 of the Companies Act / कंपनी अधिनियम की धारा 378
- (3) Section 396 of the Companies Act / कंपनी अधिनियम की धारा 396
- (4) Section 390 of the Companies Act / कंपनी अधिनियम की धारा 390

Ans. [3]

31. Under Consumer Protection Act, the jurisdiction of the District Forum should not exceed rupees / उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम के अधीन, जिला न्यायालय की अधिकारिता इतने रुपयों से अधिक नहीं होनी चाहिए?

- (1) Fifty Thousands / पचास हजार
- (2) One Lakh / एक लाख
- (3) Twenty Five Thousands / पच्चीस हजार
- (4) Twenty lakhs / बीस लाख

Ans. [4]

32. A private limited company limits the number of members to / निजी सीमित कंपनी के सदस्यों की संख्या सीमा है?

- (1) 30
- (3) 40
- (2) 50
- (4) 150

Ans. [2]

85. Trading activities of a company were stopped temporarily in view of the trade depression with an intention to continue the same when the conditions improve. A petition was preferred into the Tribunal for winding up of the company. The petition / कंपनी की व्यापार गतिविधियों को व्यापार मंदी के दृष्टिगत अस्थायी रूप से इस इरादे के साथ रोका गया कि हालात में जब सुधार हो जाए तब उसे पुनः शुरू किया जाए। अधिकरण में याचिका कंपनी को बंद करने के लिए प्रस्तुत की गई। याचिका -

- (1) Is liable to be dismissed / खारिज किए जाने लायक है
- (2) will succeed / कामयाब रहेगी
- (3) will be kept pending till the conditions improve / हालात सुधरने तक विचाराधीन रखी जाएगी
- (4) will not be admitted. / स्वीकार नहीं की जाएगी

Ans. [1]

#### Labour & Industrial Law

9. A teacher is not a workman falling under the category of Workman under Industrial Disputes Act, 1947: This was upheld in which case / औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के अधीन मजदूर की श्रेणी के अंतर्गत शिक्षक मजदूर में नहीं आता। यह इस मामले में अभिधारित किया गया था -

- (1) Miss A. Sundarambal vs. Government of Goa, Daman and Diu & others / कुमारी ए. सुंदरम बल बनाम गोवा, दमण, दीव सरकार एवं अन्य
- (2) Ahmedabad Pvt. Primary Teachers' Association vs. Administrative Officer And Ors. / अहमदाबाद प्राइवेट प्राइमरी टीचर्स एसोसिएशन बनाम प्रशासनिक अधिकारी एवं अन्य
- (3) University of Delhi vs. Ramnath / दिल्ली विश्व विद्यालय बनाम रामनाथ
- (4) Secretary, Madras Gym, khana Club Employees Union vs. Management of the Gymkhana. / सचिव, मद्रास जिमखाना कर्मचारी संघ बनाम जिमखाना प्रबंधन

Ans. [3]

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-9

Linking Laws is a Professional Institute provide

AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



12. The principal regulator envisaged under the Trade Unions Act, 1926- / व्यापार संघ अधिनियम, 1926 के अधीन मालिक विनियामक परिकल्पित है -

- (1) Regulator of trade unions / व्यापार संघ का विनियामक
- (2) Inspector of trade unions / व्यापार संघ का निरीक्षक
- (3) Registrar of trade unions / व्यापार संघ का पंजीयक
- (4) Industrial relations committee / औद्योगिक संबंध समिति

Ans. [3]

18. The type of disablement envisaged under the Employees Compensation Act that reduces the capacity to work in any employment similar to that the worker was performing at the time of the accident is referred to as - / कर्मचारी मुआवजा अधिनियम के अधीन परिकल्पित विकलांगता का वह प्रकार जो किसी रोजगार में काम करने के की क्षमता को कम कर देता है, जैसे की दुर्घटना के समय कर्मचारी कर रहा था, को संदर्भित किया जाता है-

- (1) Permanent partial disablement / स्थायी आंशिक विकलांगता
- (2) Permanent total disablement / स्थायी सकल विकलांगता
- (3) Temporary disablement / अस्थायी विकलांगता
- (4) Temporary total disablement / अस्थायी सकल विकलांगता

Ans. [1]

88. "Contravention of Contract Labour Act would not create employment relationship between contract labour and principal establishment." It was so held in which case / " संविदा श्रम अधिनियम का उल्लंघन संविदा श्रमिक तथा प्रधान प्रतिष्ठान के बीच नियोजन संबंधता नहीं निर्मित कर पाएगा।" ऐसा इस प्रकरण में अभिधारित में अभिधारित किया गया

- (1) SAIL vs. National Union Water front Workers / सेल बनाम नेशनल यूनियन वाटर फ्रंट वर्कर्स
- (2) Air India Statutory Corporations vs United Labour Union & Ors. / एयर इंडिया स्टेटयूरी कारपोरेशन्स यूनाइटेड लेबर यूनियन एवं अन्य
- (3) Bangalore Water Supply and Sewerage Board vs. A. Rajappa / बंगलोर वाटर सप्लाय एवं सिवरेज बोर्ड बनाम राजप्पा
- (4) State of U. P. vs. Jai Bir Singh, / उत्तरप्रदेश राज्य बनाम जय वीर सिंह

Ans. [1]

98. Which provision under the Industrial Disputes Act, 1947 guarantees the right of workmen laid off to claim for compensation / औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 के इस प्रावधान के अधीन श्रमिकों के अधिकार की प्रत्याभूति कामबंदी के लिए क्षतिपूर्ति के दावे की है।

- (1) Section / धारा 25-0

- (2) Section / धारा 26
- (3) Section / धारा 25-C
- (4) Section / धारा 25-M

Ans. [3]

100. The contribution payable under the ESI Act in respect of an employee shall comprise of / कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम के अधीन भुगतान योग्य अंशदान कर्मचारी के संबंध में संयोजित होगा

- (1) contribution payable by the employer only / केवल नियोक्ता की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
- (2) contribution payable by the employee only / केवल कर्मचारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
- (3) contribution payable by government only / केवल सरकार की ओर से भुगतान योग्य अंशदान
- (4) contribution payable by employer and employee. / नियोक्ता और कर्मचारी की ओर से भुगतान योग्य अंशदान।

Ans. [4]

**Law Of Torts, M.V. Act and Consumer Protection Law**

34. Consumer Protection Act was brought into operation in the year / उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम इस वर्ष में संचालन में लाया गया

- (1) 1987
- (3) 1985
- (2) 1986
- (4) 1984

Ans. [2]

80. Contributory negligence means / अभिदायी लापरवाही आशय है

- (1) The failure by a person to use reasonable care for the safety of either of himself or his property / व्यक्ति का या तो स्वयं या अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए वाजिब सतर्क रहने की नाकामी
- (2) Volunteer to pay-for the negligence of others / अन्यो की लापरवाही के लिए स्वैच्छिक भुगतान
- (3) Contributing the money or money's worth for others wrongs / अन्यो की गलती के लिए धन का या धनीय मूल्य का अंशदान
- (4) Inciting others to commit civil wrong. / अन्यो को सिविल गलती के लिए भड़काना।

Ans. [1]

84. Where an enterprise is engaged in a hazardous or inherently dangerous activity and harm results to anyone on account of an accident in the operation of such hazardous or inherently dangerous activity resulting, for example, in escape of toxic gas the enterprise is strictly and absolutely liable to compensate all those who are affected by the

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-10

Linking Laws is a Professional Institute provide

AI based Smart Preparation for

Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India

(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this QR Code to Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



accident and such liability is not subject to any of the exceptions which operate vis-a-vis the tortious principle of strict liability.-Held in the case of / जहां उद्यम जोखिम पूर्ण या अंतर्निहित खतरनाक गतिविधि में नियोजित है तथा उस जोखिम पूर्ण या अंतर्निहित खतरनाक गतिविधि के कारण किसी को आघात का नतीजा होता है, उदाहरण के लिए जहरीली गैस से बचाव में, उद्यम सख्तीपूर्वक तथा पूर्णतया उन सभी की क्षतिपूर्ति के लिए जिम्मेवार है जो दुर्घटना से प्रभावित हुए हैं और ऐसी जिम्मेवारी किसी ऐसे अपवाद के विषय से नहीं है जो सख्त जिम्मेवारी के ..... सिद्धांत के मुकाबले में संचालित है- प्रकरण में अभिधारित

- (1) Francis Caroli vs. state / फ्रांसिस कारोली बनाम राज्य
- (2) Shriram food and fertilizers case / श्रीराम फूड एवं फर्टिलाइजर प्रकरण
- (3) PUCL vs. Union of India / पी. यू.सी.एल. बनाम भारत संघ
- (4) State of Punjab vs. Mahinder Singh Chawla / पंजाब राज्य बनाम महिन्द्र सिंह चावला

Ans. [2]

86. "A tort is a civil wrong for which the remedy is an action for unliquidated damages and which is not exclusively the breach of a contract, or the breach of a trust, or the breach of other merely equitable obligation"- Whose Statement is this / अपकृत्य सिविल गलत है जिसके लिए निदान अपरिनिर्धारित नुकसान के लिए कार्रवाई है और जो संविदा के भंग या विश्वास के मंग या मात्र समकक्ष दायित्व के अन्य के मंग से बाहर का नहीं है। यह किसका कथन है ?

- (1) Winfield / विनफील्ड
- (2) Salmond / सेलमण्ड
- (3) Pollock / पोलोक
- (4) Griffith / ग्रिफिथ

Ans. [2]

87. Under Section 20 of the M.V. Act if a person is convicted of an offence punishable under Section 189 of the Motor Vehicles Act, the Court shall ordinarily order for / मोटर वाहन अधिनियम की धारा 20 के अधीन व्यक्ति को यदि मोटर वाहन अधिनियम की धारा 189 के अधीन दंडनीय अपराध के लिए दोष सिद्ध किया गया है. न्यायालय सामान्यतया इसके लिए आदेश करेगा -

- (1) Imposing penalty only / केवल जुर्माना लगाने
- (2) Punishment only / केवल दंड
- (3) Both punishment and penalty / दंड और जुर्माना दोनों
- (4) Disqualification under the act / अधिनियम के अधीन अयोग्य

Ans. [4]

**Law of Contract, Specific Relief,  
Property Laws, Negotiable Instrument Act,**

15. Under Section 41 of the Specific Relief Act, an injunction cannot be granted / विशिष्ट राहत अधिनियम की धारा 41 के अधीन निषेधाज्ञा नहीं दी जा सकती

- (1) to restrain in any person from instituting or prosecuting any proceeding in a Court not subordinate to that from which the injunction is sought / किसी व्यक्ति को उस न्यायालय जिससे निषेधाज्ञा चाही गई है उससे अधीनस्थ नहीं वाले न्यायालय में किसी कार्यवाही को प्रस्तुत या अभियोजित करने से रोकने के लिए
- (2) to restrain any person from applying to any legislative, body / किसी विधायी निकाय को आवेदन करने से किसी व्यक्ति को रोकने के लिए
- (3) to restrain any person from instituting or prosecuting any proceeding in a criminal matter / दांडिक मामले में किसी कार्यवाही को पेश या अभियोजित करने से रोकने के लिए
- (4) all of the above / उपरोक्त सभी

Ans. [4]

22. Specific relief can be granted only for the purpose of enforcing individual civil rights and not for the mere purpose of enforcing a penal law. Which provision brings in such prohibition? / विशिष्ट राहत की प्रदानता न केवल वैयक्तिक नागरिक अधिकारों को प्रवर्तन करने के प्रयोजन के लिए हो सकती है केवल दंड कानून के प्रवर्तन के लिए नहीं। कौनसा प्रावधान इस प्रतिबंध में लाया जाता है।

- (1) Section 4 / धारा 4
- (2) Section 5 / धारा 5
- (3) Section 7 / धारा 7
- (4) Section 10 / धारा 10

Ans. [1]

43. A debtor owes several distinct debts to the same creditor and he makes a payment which is insufficient to satisfy all the debts. In such a case, a question arises as to which particular debt the payment is to be appropriated. Which sections of the Contract Act provide an answer to this question? / कर्जदार ने एक ही कर्जदाता से अनेक अलग-अलग कर्ज लिए और भुगतान किया जो सभी कर्जों की भरपाई को अपर्याप्त है। ऐसी स्थिति में, प्रश्न उठता है कि कौन सा कर्ज जिसका भुगतान समुचित है। संविदा अधिनियम की कौनसी धाराएं उस प्रश्न के उत्तर : को प्रदान करती है।

- (1) Sections 59 to 61 / धारा 59 से 61
- (2) Sections 22 of 31 / धारा 22 से 31
- (3) Sections 10 to 12 / धारा 10 से 12
- (4) Sections 55 to 60 / धारा 55 से 60

Ans. [1]

17. A contract made by a trustee in excess of his powers or in breach of trust cannot be specifically enforced as per / न्यासी की ओर से अपनी शक्तियों से

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-11



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s

 Linking Laws  
 Linking Laws Tansukh Sir  
 www.LinkingLaws.com  
 Get Subscription Now

Linking Laws is a Professional Institute provide  
AI based Smart Preparation for  
Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India  
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



अतिरेक में या न्यास के भंग में किया गया संविदा विशेषतया प्रवर्तन नहीं हो सकता, अनुसार"

- (1) Section 12 / धारा 12
- (2) Section 11 (2) / धारा 11 (2)
- (3) Section 12 (2) / धारा 12(2)
- (4) Section 13. / धारा 13

Ans. [2]

53. The essence of a contract of agency is the agent's / अभिकरण की संविदा का सार अभिकर्ता का

- (1) Representative capacity coupled with a power to affect the legal relations of the principal with third persons / प्रतिनिधित्व क्षमता तीसरे पक्ष से प्रधान के विधिक संबंधों को प्रभावित करने की शक्ति सहित
- (2) Power and title to the property that is being dealt with'. / संपत्ति जिससे व्यवहृत उसकी शक्ति तथा स्वत्व
- (3) Authority and status of dealing with the trade / व्यापार से व्यवहार करने की प्राधिकारिता और दर्जा
- (4) None of the above. / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

54. "A Contract is an agreement between two or more persons which is intended to be enforceable at law and is contracted, by the acceptance by one party of an offer made to him by the other party to do or abstain from doing some act". - Whose statement is this? / संविदा दो या अधिक लोगों के बीच करार है जो इरादतन विधि पर प्रवर्तनीय है, तथा एक पक्ष की ओर से स्वीकृति प्रस्ताव की जो उसकी ओर से अन्य पक्ष को किया गया करने को या कोई कृत्य करने से बचने का संविदा का है- यह कथन किसका है?

- (1) Halsbury / हॉल्सबरी
- (3) Phipson / फिप्सन
- (2) Salmond / सलमंड
- (4) Pollock / पोलोक

Ans. [1]

55. A Delivery of goods by one person to another for some purpose upon a contract that they shall, when the purpose is accomplished, be returned or disposed of according to the directions of the person delivering them. What is the type of contract called us / एक व्यक्ति की ओर से अन्य व्यक्ति को किसी प्रयोजन के लिए माल की प्रदानता इस संविदा पर कि जब प्रयोजन पूरा हो जाए, उन्हें प्रधानकर्ता व्यक्ति के निर्देशानुसार वे लौटा देंगे या निस्तारित कर देंगे। हम ऐसी संविदा को किस प्रकार की कहते हैं.

- (1) Indemnity / क्षतिपूर्ति
- (3) Bailment / उपनिधान
- (2) Guarantee / प्रत्यभुति
- (4) Pledge / गिरवी

Ans. [3]

56. A's nephew has absconded from his home. He sent his servant to trace his missing nephew. When the servant had left, A then announced that anybody who discovered the missing boy without knowing the reward. When the servant came to know about the reward, he brought an action against A to recover the same. But his action failed. It was held that the servant was not entitled to the reward because he did not know about the offer when he discovered the missing boy. Name the case on reading the facts. / क का भतीजा उसके घर से भाग गया। उसने अपने लापता भतीजे का पता लगाने के लिए अपने नौकर को भेजा। नौकर जब चला गया, क ने घोषणा की कि पारितोष की जानकारी के बिना कोई भी उसके लापता भतीजे का पता लगाए। नौकर को जब पारितोष की जानकारी हुई, उसने उसकी वसूली के लिए क के खिलाफ कार्रवाई की। मगर उसकी कार्रवाई नाकाम रही। यह अभिधारित किया गया कि नौकर पारितोष का हकदार नहीं था क्योंकि उसने जब लापता लड़के को खोजा, उसे प्रस्ताव के बारे में पता नहीं था। तथ्यों पर पठन करके प्रकरण का नाम -

- (1) Lalman Shukla vs. Gauri Dutt / लालमन शुक्ला बनाम गौरी दत्त
- (2) Donogue vs. Stevenson / डोनोगू बनाम स्टीवन्स
- (3) Tweedle vs. Atkinson / ट्वीडले बनाम एटकिन्सन
- (4) Dutton vs. Poole / डटन बनाम पूले

Ans. [1]

57. What property cannot be transferred under Section 6 of Transfer of Property Act, 1882 / किस संपत्ति का अंतरण संपत्ति अंतरण अधिनियम, 1882 की धारा 6 के अंतर्गत नहीं किया जा सकता -

- (1) An easement apart from the dominant heritage / अधिष्ठायी संपत्ति को छोड़कर सुखाधिकार
- (2) An interest in property restricted in its enjoyment to the owner personally / संपत्ति में हित उसके उपभोग में निषिद्ध मालिक के लिए वैयक्तिक
- (3) A right to future maintenance, in whatsoever manner arising, secured, or determined. / भविष्य में रख रखाव के लिए अधिकार जिस किसी तरीके में उत्पन्न, सुरक्षित या निर्धारित
- (4) All of the above. / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

60. A transfers property, of which he is the owner, to B in trust for A and his intended wife successively for their lives, and, after the death of the survivor, for the eldest son of the intended marriage for life, and after his death for A's second son. Can the interest so created for the benefit of the eldest son take effect? / क ने संपत्ति का जिसका वह स्वामी है ख को अंतरण न्यास में किया जिसके लिए क तथा उसकी





आशयित पत्नी उत्तरोत्तर अपने जीवन के लिए. ओर उत्तरजीवी की मृत्यु के पश्चात, ज्येष्ठ पुत्र के लिए आशयित विवाह जीवन के लिए और उसके निधन के बाद क के दूसरे पुत्र के लिए क्या ज्येष्ठ पुत्र के लाभ के लिए बना हित प्रभाव पाता है -

- (1) Yes / हां
- (2) No / नहीं
- (3) It is a valid transfer / यह विधि मान्य अंतरण है
- (4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

63. A solicitor sold certain property to one of his clients. The client subsequently property alleged that the was considerably overvalued and his consent was caused by..... Court considered the relationship between the parties to reach the decision. / न्यायाभिकर्ता ने संपत्ति विशेष को अपने एक मुवक्किल को बेची थी। पश्चात्तर्ती मुवक्किल ने आरोप लगाया कि संपत्ति पर्याप्त मात्रा में अधि मूल्यित थी और उसकी सन्मति ..... से ली गई थी, न्यायालय ने पक्षों के बीच संबंधता का विचारण किया और निर्णय पर पहुंचा.

- (1) Coercion / प्रपीडन
- (2) Misrepresentation / दुर्यपदेशन
- (3) Undue influence / असम्यक असर
- (4) Estoppel / विबंध

Ans. [3]

64. Accepting any other satisfaction than the performance originally agreed is known as / किसी अन्य समाधान की स्वीकृति निष्पादन से अतिरिक्त मूल सहमति जाना जाता है

- (1) reciprocal agreement / व्यतिकारी करार
- (2) reciprocal acceptance / व्यतिकारी स्वीकार्यता
- (3) reciprocal accord and satisfaction / व्यतिकारी समझौता और समाधान
- (4) accord and satisfaction / समझौता और समाधान

Ans. [4]

65. "Where two parties have made a contract which one of them has broken the damage which the other party ought to receive in respect of such breach of contract should be either such as may fairly and reasonably be considered arising naturally i.e. according to the usual course of things from such breach of contract itself or such as may reasonably be supposed to have been in the contemplation of the parties at the time they made the contract as the probable result of breach of it." In which case the principle was down so: / 'जहां दो पक्षों ने संविदा की है जिनमें से एक ने वह भंग-नुकसान किया है जिसे दूसरे पक्ष को पाना चाहिए उस संविदा के भंग के बारे में या निष्पक्षता से और वाजिब रूप से विचार करना चाहिए जो स्वाभाविक रूप से उत्पन्न है यथा बातों के आम तौर के

अनुक्रम से संविदा के उस भंग स्वमेव से या ऐसा जो संभवतया उचितता: से पक्षों में उस समय विचारित हो जिस समय उन्होंने संविदा की उस तरह जैसे उसके भंग का नतीजा संभावित हो किस मामले में ऐसा सिद्धांत निर्धारित किया गया था?

- (1) Clegg vs. Hands / क्लेग बनाम हैंड्स
- (2) Frost vs. Knight / फ्रॉस्ट बनाम नाइट
- (3) Kapur Chand vs. Himayat Ali Khan / कपूर चंद बनाम हिमायत अली खान
- (4) Hadley vs. Baxendale / हेडली बनाम बेक्सेंडल

Ans. [4]

66. When a misrepresentation has been made, what are the alternative courses open to an aggrieved / जब दुर्यपदेशन की गई है, तब व्यथित के पास कौन सा विकल्प खुला होता है?

- (1) He can avoid or rescind the contract / वह संविदा को टाल सकता या विखंडन कर सकता है
- (2) He can affirm the contract and insist on the misrepresentation being made / वह संविदा की अभिपुष्टि तथा की गई दुर्यपदेशन पर जोर दे सकता है
- (3) He can rely upon the misrepresentation, as a defence to an action upon the contract / वह दुर्यपदेशन पर भरोसा कर सकता है, संविदा पर कार्रवाई के लिए बचाव के रूप में
- (4) All of the above / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

67. "The law of contract is intended to ensure that what a man has been led to expect shall come to pass, that what has been promised shall be performed: Whose statement is this? / 'संविदा के कानून का मंतव्य यह सुनिश्चित करना है कि व्यक्ति जो अपेक्षा करता है वह पूरी हो जाए और जो वादा किया है वह निभाया जाएगा।' यह कथन किसका है?

- (1) Lord Black / लॉर्ड ब्लेक
- (2) Henderson / हैंडरसन
- (3) Anson / एनसन
- (4) Salmond / सेलमण्ड

Ans. [3]

68. Raghav owes Murli Rs. 10,000/-. This debt is time barred by the Limitation Act. Even then Murli, promises in writing to pay Raghav Rs. 4,500/- on account of debt and signs the document. This contract is / राघव से मुरली ने रुपए 10,000 / - लिए। यह कर्ज परिसीमा अधिनियम से काल बाधित है। जबकि मुरली ने लिखित में वादा राघव को रुपए 4,500/- का भुगतान कर्ज के खाते पर करने का वचन किया और दस्तावेज पर दस्तखत किए। यह संविदा है"

- (1) Enforceable / प्रवर्तनीय
- (2) Unenforceable / अप्रवर्तनीय
- (3) Void / शून्य
- (4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-13

Linking Laws is a Professional Institute provide  
AI based Smart Preparation for  
Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India  
(UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



Scan this  
QR Code to  
Linking Laws B10s



Ans. [1]

69. Intention not to create a legal obligation was clear from the conduct of parties which among the popular cases deals on the topic. / विधिक दायित्व नहीं बनाने का इरादा पक्षों के आचरण से स्पष्ट था निम्न में से कौन सा प्रसिद्ध प्रकरण इस विषय से संबंधित है.

- (1) Balfour vs. Balfour / बेलफोर बनाम बेलफोर
- (2) Donogue vs. Stevenson / डोनोग्यू बनाम स्टीवन्सन
- (3) Derry vs. Peek / डेरी बनाम पीक
- (4) Birch vs. Birch / बिरस बनाम बिरस

Ans. [1]/

70. According to the Indian law in a lawful contract, consideration / भारतीय विधि के अनुसार विधि सम्मत संविदा में, प्रतिफल "

- (1) Must move from promises only / केवल वचनदाता से गतिमान होना चाहिए
- (2) May move from promise or any other person / गतिमान वचनदाता या किसी अन्य व्यक्ति से हो सकेगा
- (3) Is not necessary at all / ऐसा किसी भी स्तर पर आवश्यक नहीं
- (4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [2]

71. An agency can be terminated by / अभिकर्ता का समापन किया जा सकता है?

- (1) Agreement between parties / पक्षों के मध्य करार से
- (2) By renunciation by the agent / अभिकर्ता की ओर से त्याग से
- (3) By completion of business of agency / अभिकर्ता के व्यवसाय की पूर्णता से
- (4) All the above. / उपरोक्त समस्त

Ans. [4]

72. Which type of loss are not covered by a contract of indemnity / किस तरह के नुकसान की भरपाई क्षतिपूर्ति की संविदा से नहीं होती।

- (1) Loss arising from accidents like fire or perils of the sea. / दुर्घटनाओं से उत्पन्न नुकसान जैसे कि आग या समुद्री संकट
- (2) Loss caused by the promisor himself or by a third person / वादाकर्ता स्वयं या तीसरे व्यक्ति की ओर से किया गया नुकसान
- (3) Loss arising by human agency / मानवीय अभिकर्ता से उत्पन्न नुकसान
- (4) None of the above / उपरोक्त में से कोई नहीं

Ans. [1]

73. The Supreme Court has held that an advocate cannot claim a lien over a litigation file entrusted to him for his fees..... no professional can be

given the right to withhold the returnable records relating to the work done by him with his clients matter on the strength of any claim for unpaid remuneration. The alternative is the professional concerned can resort to other legal remedies for such unpaid remuneration. Refer to the specific case./ सर्वोच्च न्यायालय ने अभिधारित किया कि अधिवक्ता उसको उसका शुल्क सौंपने के लिए मुकदमे की मिसल के ऊपर धारणाधिकार का दावा नहीं कर सकता किसी पेशेवर को मेहनताना के अभुगतान के लिए किसी दावे की मजबूती पर उसकी ओर से उसके मुवक्किल के मामले के लिए कार्य से संबंधित वापस किए जाने वाले अभिलेखों को रोके रखने का अधिकार नहीं दिया जा सकता। विकल्प यह है कि संबंधित पेशेवर उस अभुगतान मेहनताना के लिए अन्य विधिक निदान का आसरा ले सकता है। यह संदर्भ विशिष्ट मामले का है

- (1) RD Saxena vo. Balram Prasad Sharma/ आर.डी. सक्सेना बनाम बलराम प्रसाद शर्मा
- (2) VC Rangadhurai vs D Gopalan / वी.सी. रणदुरे बनाम डी. गोपालन
- (3) Emperor vs. Dadu Ram / एम्परर बनाम दादूराम
- (4) G Naranswamy vs Challapalli / जी. नरन स्वामी बनाम चल्लपल्लि

Ans. [1]

#### Limitation Act, 1963

4. Section 5 of the Limitation Act, 1963 enables the Court to condone delay in filling. .... on sufficient satisfaction of sufficient cause. / परिसीमा अधिनियम, 1963 की धारा 5 न्यायालय को दाखिल करने पर हुए विलंब को माफ़ करने में सक्षम बनाती है..... पर्याप्त कारण की पर्याप्त संतुष्टि पर |

- (1) appeal or application / अपील या आवेदन पत्र
- (2) appeal, suit and application / अपील वाद एवं आवेदन पत्र
- (3) appeal, petition and counter petition / अपील, याचिका एवं प्रति याचिका
- (4) appeal, petition, suit and counter petition. / अपील, याचिका, वाद एवं प्रति याचिका

Ans. [1]

7. Limitation period prescribed in filling a suit by a mortgagor to recover possession of immovable property mortgaged / बंधक अचल संपत्ति की वापसी के लिए बंधककर्ता की ओर से वाद दायर करने में विहित सीमा अवधि है।'

- (1) 20 years / वर्ष
- (3) 10 years / वर्ष
- (2) 12 years / वर्ष
- (4) 30 years / वर्ष

Ans. [4]

#### Jurisprudence

Questions Paper with Linked provision is available on Linking App (Only for Paid Users)

Page-14

Linking Laws is a Professional Institute provide AI based Smart Preparation for Judicial Service Exams & other Law Related Exam in India (UP PCS(J), RJS, MPCJ, CG PCS(J), DJS, BJS, APO, ADPO, JLO, APP etc.)



Scan this QR Code to Linking Laws B10s

Linking Laws  
Linking Laws Tansukh Sir  
www.LinkingLaws.com  
Get Subscription Now



27. According to the theory of 'social utilitarianism' as propounded by Ihering- /ईहेरिंग द्वारा प्रतिपादित 'सामाजिक उपयोगितावाद' के सिद्धांत अनुसार -

- (1) greatest number of people should get greatest pleasure / ज्यादा से ज्यादा लोगों को अधिकतम खुशी मिलनी चाहिए।
- (2) the essential body of legal rules is always based upon the social "facts" of law / विधिक नियमों का अत्यावश्यक निकाय हमेशा विधि के सामाजिक तथ्यों पर निर्भर है
- (3) a balance is to be struck between the competing interests in society / समाज में प्रतिस्पर्धी हितों के बीच संतुलन बनाया जाए
- (4) law is a means to social ends / कानून सामाजिक उद्देश्यों का साधन है।

Ans. [4]

33. The Second principle of Rule of Law (of A.V. Dicey) relates to / विधि के नियम (ए.वी. डिकेय का) का दूसरा सिद्धांत संबंधित है

- (1) Equal protection of the laws / कानूनों का समान संरक्षण
- (2) Equality before law / कानून के समक्ष समानता
- (3) Dignity of the individual / व्यक्ति की मर्यादा
- (4) Administrative Courts / प्रशासनिक न्यायालय

Ans. [2]

99. H.L.A. Hart's name is associated with the book. / एच. एल. ए. हार्ट का नाम इस पुस्तक से संबद्ध है"-

- (1) Province and Function of Law / प्रोविन्स एंड फंक्शन ऑफ लॉ
- (2) The Concept of Law / द कन्सेप्ट ऑफ लॉ
- (3) Social Dimensions of Law / सोशियल डाइमेंस ऑफ लॉ
- (4) Theories of Social Change / थ्योरिज ऑफ सोशियल लॉ

Ans. [2]

